दर प्रोफेसर
मगध महाविद्यालय
शहिका

दल प्रणाली (PARTY SYSTEM)

प्रजातंत्र में राजनीतिक दलों के कार्य

प्रजातंत्र में राजनीतिक दलों के निम्न कार्य है—

1. लोकमत का निर्माण — वर्तमान समय में राज्य सबंधी विषय बहुत जटिल होते है जो साधारण व्यक्ति के लिए समझ सकना सम्भव नही है। इस स्थिति मे राजनीतिक दल सार्वजनिक समस्याओं को जनता के समक्ष मे इस रूप मे प्रस्तुत करते है कि साधारण जनता उसे समझ सकें। ब्राइस के शब्दो में "लोकमत को प्रशिक्षित करने इसके निर्माण और अभिव्यक्ति मे राजनीतिक दलों के द्वारा अत्यधिक महत्वपूर्ण कार्य किया जाता

2. चुनाव का संचालन — जब निर्वाचकों की संख्या कम थी तब स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़े जा सकते थे, लेकिन व्यस्क मताधिकार के प्रचलन के कारण स्वतंत्र रूप में चुनाव लड़ना असंभव हो गया है ऐसी स्थिति मे राजनीतिक दल की ओर से खड़ा करते और उनके पक्ष में प्रचार करते है चुनाव के समय खर्च होने वाला भारी खर्च भी इन राजनीतिक दलों ही किया जाता है।

3. सरकार का निर्माण — निर्वाचन के बाद राजनीतिक दलों के द्वारा ही सरकार का निर्माण किया जाता है। अध्यक्षात्मक शासन व्यवस्था मे राष्ट्रपति अपने विचारों से सहमत व्यक्ति की मंत्रीपरिषद का निर्माण कर

शासन का संचालन करता है। संसदात्मक शासन में
जिस राजनीतिक दल व्यवस्थापिका में बहुमत प्राप्त
हो उसके प्रधान द्वारा मंत्रीपरिषद का निर्माण
करते हुए शासन का संचालन किया जाता है

4. शासन सत्ता को मर्यादित करना – शासन व्यवस्था में बहुसंख्यक
राजनीतिक दल के साथ ही साथ अल्पसंख्यक
राजनीतिक दल को बहुत अधिक महत्व
रखते हैं यदि बहुसंख्यक राजनीतिक दल, शासन
सत्ता के संचालन का कार्य करता है तो,
अल्पसंख्यक दल विरोधी दल के रूप में
कार्य करते हुए शासन की शक्ति को सीमित
रखने के लिए प्रयत्नशील रहते हैं।

सरकार के विभिन्न विभागों में समन्वय और सामंजस्य – सरकार के द्वारा उसी समय ठीक
प्रकार से कार्य किया जा सकता
है जबकि शासन के विविध अंग परस्पर
सहयोग करें और यह सहयोग राजनीतिक
दल द्वारा ही संभव है

राजनीति चेतना का प्रसार – राजनीति दल
नागरिक चेतना और
राजनीतिक शिक्षा के महत्वपूर्ण साधन के
रूप में कार्य करते हैं। लावेल ने ठीक ही
कहा है कि "राजनीतिक दल राजनीतिक
विचारों के दलाल के रूप में काम
करते हैं"

जनता और शासन के बीच संबंध – प्रजातंत्र का
आधारभूत सिद्धांत

जनता और शासन के बीच संबंध बनाए रखना है और इस प्रकार का संबंध स्थापित करने का सबसे बड़ा साधन राजनीति दल ही है।

दल प्रणाली के रूप

दल प्रणाली के तीन रूप प्रचलित है- (i) एकदलीय प्रणाली (ii) द्विदलीय प्रणाली और (iii) बहुदलीय प्रणाली

(i) एकदलीय प्रणाली - जिस देश में केवल एक ही दल हो वहां की दलीय प्रणाली को एक दलीय प्रणाली कहा जाता है। कुछ व्यक्तियों के द्वारा यह समझा जाता है कि वर्तमान समय में एकदलीय प्रणाली केवल साम्यवादी राज्यों में ही है। इस एकदलीय प्रणाली में कभी भी संविधान से ही मान्यता प्राप्त होती है एकदलीय प्रणाली को सामान्यता सर्वाधिकारवादी और जनहित विरोधी समझा जाता है।

(ii) द्विदलीय प्रणाली - जब एक देश की राजनीति में केवल दो ही प्रमुख राजनीतिक दल होते है तो उसे द्विदलीय प्रणाली कहते है। द्विदलीय प्रणाली वाले राज्यों में से अधिक राजनीतिक दलों के गठन पर कोई वैधानिक प्रतिबंध नहीं होता है। दो से अधिक राजनीतिक दल हो सकते है।

बहुदलीय प्रणाली - यदि किसी देश की राजनीति में काफि बड़ी संख्या में राजनीतिक दल हो तो उसे बहुदलीय प्रणाली कहते है। महाद्वीपीय युरोप के अधिकांश देश में विशेषतया फ्रांस में बहुदलीय प्रणाली है। फ्रांस में कभी-कभी राजनीतिक दलो की संख्या 17 से 20 तक हो जाती है।